EKLAVYA UNIVERSITY

School of Education & Library Science

SYLLABUS

Diploma In Elementry Education					
Course Code	**Childhood and Development of Children** बाल्यावस्था एवं बालविकास	**L**	**T**	**P**	**C**
DELED20Y101		**4**	**2**	**0**	**6**
Pre -requisite	**Nill**	**Syllabus version**			
		100 Marks			

Course Objectives:

छात्राध्यापकों को प्रारंभिक स्कूली बच्चे और उसके सामाजिक–सांस्कृतिक परिवेश के बारे में जरूरी व आधारभूत समझ बनाने में मदद करना है। इसमें सिद्धान्तों के साथ ही साथ बच्चों और बचपन से जुड़े सामाजिक–सांस्कृतिक मुद्दों को गहनता से समझने के मौके शामिल होंगे। इन सब बातों को शामिल करने के पीछे उद्देश्य है कि सामाजिक –सांस्कृतिक संदर्भ में बच्चों की विकास संबंधी जरूरतों के प्रति संवेदनशीलता बने।

Course Outcome:

- बच्चे और बचपन के बारे में आम धारणा की समीक्षा करना (खासतौर से भारतीय समाज के संदर्भ में), बचपन पर असर डालने वाली विभिन्न सामाजिक/शैक्षिक/सांस्कृतिक वास्तविकताओं की संवेदनशीलऔर आलोचनात्मक समझ विकसित करना।
- बच्चे के शारीरिक, गत्यात्मक (motor) सामाजिक एवं भावनात्मक विकास के विभिन्न पहलुओं पर समझ विकसित करना।
- सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ में विविध क्षमताओं वाले बच्चों के विकास की प्रक्रिया को समझना।
- बच्चों के साथ रूबरू बातचीत करने के मौके उपलब्ध कराना और बच्चों के विकास के पहलुओं को समझने की विधियों पर प्रशिक्षण देना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- विकास ओर विकास की अवधारणा को समझगें।
- शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक की अवधारणा और इसके निहितार्थ को समझ सकेंगे।
- बच्चों के साथ बातचीत करने के लिए हाथों पर अनुभव विकसित करेंगे ।
- Specilly कक्षा में बच्चो के बीच व्यक्तिगत अंतर के बारें में समझ विकसित करेंगे और तदानुसार शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का आयोजन करेंगे।
- विभिन्न परिप्रेक्ष्य में बच्चों में सोचने और सीखने की प्रक्रिया को समझेंगे।

Unit	Syllabus	Periods
UNIT - I	विकास संबंधी दृष्टिकोण (Perspective in Development) • बाल विकास का परिचय : वृद्धि, विकास एवं परिपक्वता की अवधारणा, विकास के संबंध में विविध दृष्टिकोण की अवधारणा एवं परिचय, मानविकी मनोविज्ञान एवं विकासात्मक सिद्धान्त। • बाल विकास के अध्ययन की स्थायी विषयवस्तु : बहुआयामी एवं बहुलता रूप में विकास, जीवनकाल में सतत् रूप से विकास, विकास पर सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का प्रभाव। • बाल विकास के अध्ययन के लिए विभिन्न प्रविधियां: प्रकृतिवादी अवलोकन, साक्षात्कार, विशिष्ट झलकियां एवं वर्णानात्मक कथाएं, पियाजे का बाल विकास का सिद्धान्त। • बच्चों की समावेशी शिक्षा : अवधारणा और प्रविधियां।	19Hrs
UNIT - II	शारीरिक– गत्यात्मक विकास (Physical-Motor Development) • शारीरिक – गत्यात्मक विकास, वृद्धि एवं परिपक्वता। • शारीरिक– गत्यात्मक विकास के लिए अवसर उपलब्ध कराने में अभिभावक एवं शिक्षकों की भूमिका, जैसे खेल आदि।	19Hrs

UNIT - III	भाषा सामाजिक एवं भावनात्मक विकास(Langauage, Social and Emotional Development) बोलना एवं भाषा विकास • पूर्व–भाषायी संप्रेषण • भाषा विकास की अवस्थाएं • भाषा विकास के स्रोत : घर, शाला एवं मीडिया • भाषा के उपयोग : संवाद एवं वार्तालाप में बच्चों की बातचीत को सुनना • संवाद में सामाजिक सांस्कृतिक भिन्नताएं : उच्चारण • संप्रेषण के विभिन्न तरीके और कहानी कहना सामाजिक विकास • सामाजिक विकास में परिवार, सहपाठियों एवं स्कूल की भूमिका • सामाजिक विकास में स्पर्धा, अनुशासन, पुरस्कार एवं दण्ड की भूमिका • संवेगों की आधारभूत समझः गुस्सा, डर, चिंता, खुशी आदि। • संवेगों का विकास, संवेगों के कार्य, बाल्वी का लगाव सिद्धांत	19Hrs
UNIT - IV	**समाजीकरण का संदर्भ** (Context of Socializaltion) • समाजीकरण की अवधारणा एवं प्रक्रियाएं। • समाजीकरण में सामाजिक एवं सांस्कृतिक भिन्नताएं। • परवरिश, परिवार एवं वयस्क एवं बच्चों के बीच संबंध, पालन पोषण के तरीके, बच्चों का अभिभावकों से अलग रहना, झूलाघरों में रहने वाले बच्चे, अनाथालय। • स्कूलिंग : शिक्षक बालक का साथ संबंध एवं शिक्षक की भूमिका • सहपाठियों के साथ संबंध : साथी मित्रों के साथ संबंध, स्पर्धा एवं सहयोग, बचपन के दौरान उग्रता एवं शरारत। • सामाजिक सिद्धान्त एवं लैंगिक (जेंडर) विकास : लिंग आधारित भूमिकाओं का आशय, लिंग आधारित भूमिकाओं पर प्रभाव, रूढ़ वादिता, खेल के मैदान में लिंग (पहचान) का प्रभाव। • शाला त्यागी की समस्या।	19Hrs
UNIT - V	बचपन (Childhood) • बालश्रम, बाल शोषण, गरीबी, वैश्वीकरण विद्यालय से गैरहाजिरी की समस्या एवं वयस्क संस्कृति के संदर्भ में बचपन • बचपन की धारणा में समानताएं एवं विविधताएं और खासतौर से भारतीय संदर्भ में किस तरह बचपन पनपते हैं।	15Hrs

संदर्भ ग्रंथ सूची

- बिस्ट, आभारानी (प्रथम संस्करण), बाल मनोविज्ञान, आगरा, विनोद पुस्तक मंडल
- जीत, योगेन्द्र (प्रथम संस्करण), बाल मनोविज्ञान, आगरा, विनोद पुस्तक मंदिर
- माथुर, एस.एस. (द्वितीय संस्करण), शिक्षा मनोविज्ञान, आगरा, विनोद पुस्तक मंदिर
- पाठक, पी.डी. (चालीसवाँ संस्करण), शिक्षा मनोविज्ञान, आगरा, विनोद पुस्तक मंदिर
- पाण्डेय, रामशकल (तृतीय संस्करण), शिक्षा मनोविज्ञान, आगरा, विनोद पुस्तक मंदिर
- वर्मा, प्रीति (प्रथम संस्करण), शिक्षा मनोविज्ञान, आगरा, विनोद पुस्तक मंदिर
- जॉन होल्ट– बच्चे असफल क्यों होते है ? एकलव्य प्रकाशन, भोपाल
- राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा कक्षागत प्रक्रियाओं पर विकसित सामग्री
- राज्य शिक्षा केन्द्र की बेवसाइट www.ssa.mp.gov.in
- एज्यूकेशन पोर्टल www.mp.gov.in/education portal.
- बाल विकास – डॉ. ओ.पी. सिंह
- छात्र का विकास एवं शिक्षण – डॉ. आर.ए.शर्मा
- बाल विकास एवं बाल मनोविज्ञान –प्रो. सुरेश भटनागर
- बचपन और बाल विकास – पी.डी. पाठक, अग्रवाल पब्लि. आगरा
- बचपन और बाल विकास – श्रीमति शर्मा, डॉ. बरौलिया एवं प्रो. दूबे राधा प्रकाशन मंदिर, आगरा।
- Developmental Psychology & H.E.
- Sasaswati T.S.(Ed.) (1999) Culture Socialigation & Human Development] TheoryReearch & Applications in indi
- Chapter 9: Physical Development in Middle Childhood.
- Mukunda, K.V. (2009) Chapter is Child Development, 79-96.s
- Post- Colnial Indian Childhood, Sharda Balgopal.

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञान प्राप्तये लक्ष्य संधानम्
Estd. by Madhya Pradesh Niji Vishwavidyalaya (Sthapna Avam Sanchalanal Adhyadesh, 2020

ool of Education & Library Science

SYLLABUS

Diploma In Elementry Education					
Course Code	**Education in Contemporary Indian Society** समसामयिक भारतीय समाज में शिक्षा	**L**	**T**	**P**	**C**
DELED20Y102		**4**	**2**	**0**	**6**
Pre -requisite	**Nill**	**Syllabus version**			
		100 Marks			

Course Objectives:

छात्राध्यापक भारतीय समाज के ऐतिहासिक,राजनैतिक आर्थिक उतार–चढ़ाव के बारे में नजरिया बना पायेंगे। यह पाठ्यक्रम भारत की राजनीति,संस्थानों, अर्थव्यवस्था, समाज और मुद्दों से रूबरू कराता है। किसी शिक्षक के लिए, हमारे भारतीय समाज की एक समालोचनात्मक समझ प्रस्तुत करना बड़ा कठिन हो जाता है। बच्चों के सामाजिक संदर्भों और उनके विविध जीवन अनुभवों को ध्यान में रखते हुए बात रख पाने की चुनौती उसके सामने होती है। इसलिए इस पाठ्यक्रम में विभिन्न विषयवस्तु व मुद्दों के जटिल स्वरूप की एक व्यापक समझ के लिए सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विषयों में इसे ढाला गया है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों व शिक्षकों को समालोचनात्मक ढंग से सोचने और एक व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में अपने निजी व सामान्य मत मान्यता को देख पाने में सक्षम बनाता है।

Course Outcome:

- अवधारणाओं, विचारों और सरोकारों के अंतर–विषयक विश्लेषण से परिचित होना।
- भारतीय समाज के सामाजिक–राजनैतिक आर्थिक आयामों से परिचित कराना और इसकी विविधता को सराहना।
- समसामयिक भारतीय समाज में व्याप्त एवं प्रचलित मुद्दे और प्रस्तुत चुनौतियों की समझ विकसित करना।
- भारतीय समाज की उपलब्धियों, लगातार बनी रहने वाली समस्याओं और प्रस्तुत चुनौतियों को समझने की दिशा में विशिष्ट राजनैतिक संस्थानों, आर्थिक नीतियों और सामाजिक संरचनाओं के बीच संबंधों को समझना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- शिक्षा के सामाजिक विमर्श के अंतर्गत विभिन्न मुद्दे का विश्लेषण करेगा।
- शिक्षा को प्रभावित करनेवाले महत्वपूर्ण राजनैतिक संदर्भो को जानेगा ।
- मध्यप्रदेश के विशेष सामाजिक–आर्थिक तथा राजनैतिक पृष्टीूमि में विद्यालय की परिवर्तनशील प्रकृति को समझेगा।
- आधुनिकरण की प्रक्रिया में विद्यालय शिक्षा के बदलते सरोकर को समझेगा।

Unit	Syllabus	Periods
UNIT - I	राज्य, राजनीति एवं भारतीय शिक्षा (State, Politics and Indian Education)	19Hrs
UNIT - II	समाज व शालेय शिक्षा का परिप्रेक्ष्य (Perspectives on Society and Schooling) • भारत में वर्ग, जाति, धर्म, परिवार एवं राजनीति के विशेष संदर्भ में सामाजिक संरचना एवं शिक्षा • संस्कृति एवं शिक्षा • आधुनिकीकरण, सामाजिक बदलाव एवं शिक्षा	19Hrs
UNIT - III	भारतीय संविधान एवं शिक्षा (Constitution of India and Education) • स्वतंत्र भारत की संवैधानिक दृष्टि : तब और अब • संविधान एवं शिक्षा : शिक्षा की समवर्ती स्थितियाँ , शिक्षा के संवैधानिक प्रावधान • विशिष्ट संदर्भों से जुड़े बच्चे (जाति, वर्ग, धर्म, भाषा एवं लिंग) और शिक्षा से संबंधित नीतियां, अधिनियम एवं प्रावधान • (प्रारंभिक शिक्षा की विभिन्न शैक्षिक नीतियाँ एवं उनका क्रियान्वयन व प्रभाव) • भारतीय संविधान में समता एवं न्याय, भेदमूलक शाला प्रणाली (Differential School) एवं समान पड़ोस शाला (common neighbour school) प्रणाली का विचार • शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 एवं म.प्र. नियम 2011	19Hrs

UNIT - IV	शिक्षा में समकालीन मुद्दे एवं सरोकार (Contemporary Issues and Concerns in Education) • लोकतंत्र एवं शिक्षा • उदारीकरण एवं शिक्षा • वैश्वीकरण एवं शिक्षा • खेतिहर, दलित एवं नारीवादी आन्दोलन और शिक्षा पर उनके प्रभाव • समानता, निष्पक्षता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लोकतंत्रीयकरण	19Hrs
UNIT - V	सामाजिक बदलावकर्ता के रूप में शिक्षक (Teacher as Social Transformer) • एक चेतनशील बुद्धिजीवी के रूप में शिक्षक • शिक्षक की भूमिका एवं दायित्व • शिक्षक नैतिकता • शिक्षक एवं सामुदायिक विकास • सामाजिक बदलावकर्ता के रूप में शिक्षक	15Hrs

संदर्भ ग्रंथों की सूची

- राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत प्रकाशित निर्देश एवं पाठ्य सामग्री।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय (प्रारंभिक शिक्षा एवं साक्षरता विभाग) भारत सरकार द्वारा प्रकाशित सामग्री
- जनशिक्षा अधिनियम 2002 और जनशिक्षा नियम 2003
- बालशिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 एवं मध्यप्रदेश नियम 2011
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 का दस्तावेज
- प्राथमिक शिक्षक एन.सी.ई.आर.टी. एवं एन.यू.ई.पी.ए. नई दिल्ली द्वारा प्रारंभिक शिक्षा संबंधी प्रकाशन
- शैक्षिक पलाश – मध्यप्रदेश शिक्षक प्रशिक्षण मण्डल द्वारा प्रकाशित
- शिक्षा का सिद्धान्त – पाठक एवं त्यागी
- शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार– डॉ. सरोज सक्सेना
- शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धान्त – एन. आर. स्वरूप सक्सेना
- शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय पृष्ठिभूमि – रामशकल पाण्डेय
- शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धान्त – रमन बिहारी लाल
- सामाजिक परिवर्तन एवं शिक्षा – उमराव सिहं चौधरी
- शिक्षा के दार्शनिक, ऐतिहासिक एवं समाजशास्त्रीय आधार –एस.पी. चौबे
- शिक्षा का समाज शास्त्र – चन्द्रा एवं वर्मा
- शिक्षा दर्शन – आर.एन. शर्मा
- फाउण्डेशन ऑफ एज्यूकेशन – एस. भट्टाचार्य
- विकासोन्मुख भारतीय समाज में शिक्षा तथा शिक्षक की भूमिका – मंजरी सिन्हा व डॉ आई.एम.सिन्धु आगरा
- विकासोन्मुख भारतीय समाज में शिक्षा तथा शिक्षक की भूमिका – श्रीमति निर्मला गुप्ता व श्रीमति अमृता गुप्ता साहित्य प्रकाश आग
- विकासोन्मुख भारतीय समाज में शिक्षा – राजस्थान हिन्दी अकादमी द्वारा प्रकाशित
- इन्टरनेट से शैक्षणिक क्षैत्र की विभिन्न संस्थाओं की वेबसाइट
- समसामायिक भारतीय समाज, पाठ्यचर्या एवं शिक्षार्थी – श्रीमति शर्मा, डॉ. बरौलिया एवं प्रो. दुबे, राधा प्रकाशन मंदिर आगरा।
- समसामायिक भारतीय समाज, पाठ्यचर्या एवं शिक्षार्थी – गुरूसरनदास, अग्रवाल पब्लि. आगरा।
- (http://www.tess-india.edu.in/ में OER एवं वीडियो)

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञान प्राप्तये लक्ष्य संधानम्
Estd. by Madhya Pradesh Niji Vishwavidyalaya (Sthapna Avam Sanchalanal Adhyadesh, 2020

School of Education & Library Science

SYLLABUS

Diploma In Elementry Education					
Course Code	पूर्व बाल्यावस्था – परिचर्या एवं शिक्षा Early Childhood Care and Education (Pre-Primary and Primary Education)	**L**	**T**	**P**	**C**
DELED20Y103		**4**	**2**	**0**	**6**
Pre -requisite	**Nill**	**Syllabus version**			
		100 Marks			

Course Objectives:

प्राथमिक अवस्था या कक्षा 1 एवं 2 (6 से 8 साल) बच्चों के बेहतर मानसिक विकास एवं जीवन पर्यन्त सीखने तथा अपने आगामी जीवन में एक अच्छा नागरिक जो एक जिम्मेदार समाज की संरचना कर सकें। बच्चें के प्रारंभिक वर्षो में हर चीज को अपनी तर्क शक्ति तथा जिज्ञासा से परखने की क्षमता को बढ़ाया जाये उसमें ऐसे गुणों का विकास किया जाये ताकि वह किसी बात को सीधे मनाने की बजाए उसकी उपयोगिता और महत्ता मे से सम्बधित प्रश्न करें और संतुष्ट होने पर ही उसे स्वीकार करे, ताकि वह भीड़ का हिस्सा न बने और उसमें नेतृत्व करने की क्षमता का विकास हो।

Course Outcome:

- जीवन पर्यन्त सीखने और विकास के आधार के रूप में प्रारंभिक बचपन के वर्षों की परिभाषा और महत्व को समझना।
- पूर्व, मध्य एवं पश्च बचपन के वर्षों में बालक के गुणों, विकास की जरूरतों के अनुसार संवेदनाओं का विकास करना और प्राथमिक शिक्षा में उसका क्रियान्वयन करना।
- विकास के संदर्भ में उपयुक्त प्रारंभिक बचपन में देखभाल एंव शिक्षा (ECCE) की पाठ्यचर्या और विद्यालयीन शिक्षा के लिए उसके महत्व एवं सिद्धांत व विधियों को समझना।
- प्रारंभिक बचपन में देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) में घर पर रह कर सीखना (Home School) और समुदाय से जुड़ाव के महत्व को समझना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल से जुड़ी प्रमुख अवधारणाओं की समझेगा।
- प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के पाठ्यचर्या तथा पाठ्यक्रम के माध्यम से बाल विकास के विभिन्न आयामों एवं इसके महत्त्व को समझेंगें।
- प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा की वर्तमान स्थिति और प्राथमिक शिक्षकों की भूमिका पर समझ बनायेंगे।
- शिक्षकों को कक्षा–कक्ष में प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के पाठ्यक्रम में प्रस्तावित अवधारणाओं के अनुरूप गतिविधियों के आयोजन के कौशलों को विकसित करना।

Unit	Syllabus	Periods
UNIT - I	प्रारंभिक बचपन में देखभाल एंव शिक्षा की परिभाषा प्रकृति एवं महत्व (Definition, Nature and Significance of Early Childhood and Education) • प्रारंभिक बचपन में देखभाल एवं शिक्षा की समग्र पाठ्यचर्या की परिभाषा एवं उद्देश्य। • जीवन पर्यन्त सीखने एवं विकास में प्रारंभिक बचपन में देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) को महत्वपूर्ण अवधि के रूप में महत्व जानना।	15Hrs
UNIT - II	प्रारंभिक बचपन में देखभाल एंव शिक्षा की परिभाषा प्रकृति एवं महत्व (Definition, Nature and Significance of Early Childhood and Education) • अधिगम को सुगम बनाने के लिए प्रारंभिक बचपन में देखभाल एवं शिक्षा की अवधि को आठ साल की उम्र तक बढ़ाने संबंधी तर्क। • विद्यालयों में प्रारंभिक अधिगम की चुनौतियाँ एवं शाला पूर्व तैयारी की अवधारणा।	19Hrs

UNIT - III	विकास की दृष्टि से समुचित प्रारंभिक बचपन में देखभाल और शिक्षा (ECCE) पाठ्यक्रम के सिद्धांत और विधियाँ (Principles and Methods of Developmentaly Appropriate ECCE Curriculum) • बच्चे कैसे सीखते हैं : प्रारंभिक, मध्य एवं बाद के बचपन तक अवस्थावार विशिष्टताएँ। • प्रारंभिक वर्षों में सीखने के लिए खेल एवं गतिविधि आधारित शिक्षण का महत्व। • बच्चों के समग्र विकास के क्षेत्र एवं गतिविधियाँ । • प्रारंभिक वर्षों में साक्षरता एवं अंक ज्ञान।	19Hrs
UNIT - IV	बचपन में देखभाल एवं शिक्षा की पाठ्यचर्या की योजना एवं प्रबंधन (Planning and Mannagement of ECCE Curriculum) • सुगठित एवं संदर्भयुक्त पाठ्यचर्या की योजना के सिद्धांत • दीर्घ एवं अल्पकालिक उद्देश्य एवं योजना • परियोजना विधि एवं विशिष्ट कार्यक्षेत्र केन्द्रित उपागम (Approach) • विकास की दृष्टि से उपयुक्त एवं समावेशी कक्षा प्रबंधन	19Hrs
UNIT - V	बच्चों के प्रगति का आकलन (Assessing Children's Progress) • प्रारंभिक बचपन में सीखने एवं विकास के मापदन्ड • बच्चों की प्रगति का अवलोकन एवं उसका अभिलेखीकरण • बच्चों की प्रगति का प्रतिवेदन • घर और शाला के बीच जुड़ाव सुनिश्चित करना	19Hrs

संदर्भ ग्रंथों की सूची

1. राजलक्ष्मी मुरलीधरन एवं शोभिता अस्थाना– शिशुओं के लिए प्रेरक गतिविधियाँ
2. शिशु शिक्षा संदर्शिका – म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
3. शिशु शिक्षा एवं देख–भाल – मीना स्वागीनाथन
4. NCERT, (2006). Position paper: National Focus Group on ECE, New Delhi.
5. (http://www.tess-india.edu.in/ में OER एवं वीडियो)

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञान प्राप्तये लक्ष्य संधानम्
Estd. by Madhya Pradesh Niji Vishwavidyalaya (Sthapna Avam Sanchalanal Adhyadesh, 2020

School of Education & Libra

SYLLABUS

Diploma In Elementry Education

Course Code	भाषा बोध एवं प्रारंभिक भाषा विकास Understanding Language and Early Language Development	L	T
DELED20Y104		4	2
Pre -requisite	Nill	Syllab	
		10	

Course Objectives:

प्रश्नपत्र का प्रमुख उद्देश्य शिक्षकों को भाषा की कार्यप्रणाली को समझने में मदद करना है जैसे भाषा से क्या आशय है? भाषा के अंतर्गत क्या–क्या आता है भाषा, विचार और समाज के बीच क्या संबंध हैं आदि।

Course Outcome:

- भाषा की प्रकृति एवं संरचना से प्रतिभागियों को परिचित कराना।
- भाषा के कार्यों के प्रति जागरूक बनाना
- प्राथमिक कक्षाओं में स्कूली पाठ्यक्रम के वृहद परिप्रेक्ष्य में भाषा के महत्व, उसके अधिग्रहण तथा अधिगम को समझना।
- विभिन्न भाषाई कौशलों एवं उनके विकास के तरीकों को समझना
- भाषा, विचार एवं समाज के अंर्तसबंधों को समझना
- साहित्य की विभिन्न विधाओं की प्रकृति, उनके शिक्षण के उद्देश्य तथा अधिगम के तरीकों को समझना
- व्याकरण को पाठ्यवस्तु के साथ रचनात्मक तरीके से जोड़ते हुए पढ़ाने के तरीकों को समझना

Student Learning Outcomes (SLO):

- भाषा की प्रकृति के बारे में समझ बनायेंगे।
- प्रत्येक भाषा में निहित बहुभाषिकता को समझेगे
- बच्चे भाषा का अर्जन और उपयोग कैसे करते हैं, इस प्रक्रिया को समझेगे।
- विषय के रूप में भाषा और विभिन्न विषयों के माध्यम के रूप में भाषा की समझ विकसित करेगा।
- विद्यालय का बच्चों की भाषा पर पड़नेवाले प्रभावों का अध्ययन करेगा।
- भाषा और समाज के मध्य रिश्तों के बारे में विवेचनात्मक समझ विकसित करेगा।
- भाषा के सामाजिक, राजनैतिक व सांस्कृतिक संदर्भों को समझेगा।

Unit	Syllabus
UNIT - I	भाषा क्या है, भाषाई विविधता और बहुभाषिकता (What is language, Liestenig & Speaking) • परिचय • भाषा, विचार और समाज • पशु एवं मानव संप्रेषण के बीच अंतर • भाषा की विशेषताएँ, भाषा के कार्य • भाषा की संरचना • भाषा और उसमें निहित शक्ति • भाषा के बारे में संवैधानिक प्रावधान • बहुभाषिकता की प्रकृति और कक्षा में इसका प्रभाव • भाषाई विविधता– भारत एवं मध्यप्रदेश के संबंध में • बहुभाषिकता– कक्षा संसाधन और रणनीति के रूप में

UNIT - II	भाषा अधिग्रहण,भाषा सीखना और भाषा की कक्षा (Language Accquistion, Learning and Language Classroor • परिचय • भाषा और बच्चे • अधिग्रहण और सीखना • प्रथम भाषा अधिग्रहण • द्वितीय भाषा और विदेशी भाषाओं को सीखना • भाषा शिक्षण के उद्देश्य (aims & objective) • भाषा शिक्षण के वर्तमान तरीके और उनका विश्लेषण • शिक्षक की भूमिका • त्रुटियों की भूमिका
UNIT - III	भाषाई कौशल एवं भाषाई कौशलों का विकास (language skills and Developing language skills) • परिचय– • सुनना– सुनने से तात्पर्य • बोलना– बोलने से तात्पर्य • सुनने और बोलने के कौशल का विकास– संवाद, लघु नाटक, कहानी सुनाना, कविता सुनाना • साक्षरता और पढ़ना–पढ़ने से तात्पर्य • वर्णनात्मक पाठ्यवस्तु को पढ़ना– पाठ्यवस्तु को समझना, आलेख का विस्तार करना, पठित सामग्री को • अपने अनुभव से जोड़ना, नए अनुभवों को आलेख में शामिल करना, पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त भी विविध सामग्री को पढ़ पा • पढ़ने की रणनीतियाँ– पढ़ने से पहले, पढ़ने के दौरान और पढ़ने के बाद की रणनीतियाँ • भाषा के विविध साधनों की समझ, बच्चों को अच्छा पाठक बनाना • लेखन एक कौशल? • पढ़ने और लिखने के बीच का संबंध • लेखन कौशल का विकास करना, मौलिक लेखन कर पाना • साहित्य की विभिन्न विधाओं से सम्बधित साहित्यिक उदाहरण दिए जाएँ जिससे कि पढ़ाना आसान हो।
UNIT - IV	पाठ्यपुस्तक एवं उसके शिक्षण शास्त्र की समझ (Understanding text book and pedogogy) • भाषा की पाठ्यपुस्तकों के निर्माण के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत • विषयवस्तु एवं उसके शिक्षण के तरीके • पाठ्यपुस्तक में दी गई विषयवस्तु, उसके शिक्षण के तरीके, इकाइयों की रूपरेखा, अभ्यास कार्य की प्रकृति और उसर्क बारीकियों का विश्लेषण • अकादमिक मापदंड और सीखने के तरीके • भाषा की कक्षा में शिक्षण सहायक सामग्री • पाठ्यपुस्तक के प्रकार– कथात्मक एवं वर्णात्मक साहित्य से परिचय, उन्हें पढ़कर समझना, पाठ्यवस्तु के साथ संबंध स्थापित करना • साहित्य की विभिन्न विधाओं के शिक्षण के उद्देश्य • साहित्य की विभिन्न विधाओं को पढ़कर समझना • संपूर्ण पाठ्यक्रम में साहित्य का प्रयोग कर पाना। • गद्य एवं पद्य को पढ़ाने की विधियाँ– व्याकरण–रचनात्मक तरीके
UNIT - V	कक्षा शिक्षण की योजना एवं आकलन (Classroom planning and evaluation) • कक्षा शिक्षण की तैयारी– भाषा की कक्षाओं की वार्षिक एवं कालखण्डवार कार्ययोजना बनाना • आकलन सतत एवं व्यापक मूल्यांकन में अंतर (CCE) • भाषा की कक्षा में रचनात्मक आकलन (पढ़ने–लिखने का आकलन) • भाषा की कक्षा में योगात्मक आकलन (कौशल आधारित)

संदर्भ ग्रंथ सूची –

- NCF-2005
- भारतीय भाषाओं का शिक्षण–आधार पत्र NCERT–2005
- हिन्दी भाषा शिक्षण– डॉ. प्रकाश चंद्र भट्ट
- भाषा विज्ञान–डॉ. भोलानाथ तिवारी
- भाषा की प्रकृति इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली
- बच्चे की भाषा और अध्यापक – N.B.T. कृष्ण कुमार

- भाषा शिक्षण– SCERT छत्तीसगढ़
- भाषा और पहचान– डेविड क्रिस्टल
- भाषा, बोली और समाज– देशकाल प्रकाशन
- पढ़ने की समझ– NCERT, नई दिल्ली
- लिखने की शुरुआत– NCERT, नई दिल्ली
- पढ़ना सिखाने की शुरुआत– NCERT, नई दिल्ली
- हिन्दी व्याकरण सार– डॉ. ब्रजरतन जोशी, पत्रिका प्रकाशन नई दिल्ली
- राजभाषा हिन्दी – मनोज कुमार
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना– डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद
- भाषा बोध एवं प्रारंभिक भाषा विकास – श्रीमति शर्मा एवं प्रो. दुबे, राधा पब्लिकेशन, आगरा।
- भाषा बोध एवं प्रारंभिक भाषा विकास – भाई योगेन्द्र जीत, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा।
- (http://www.tess-india.edu.in/ में OER एवं वीडियो

School of Education & Library Science

SYLLABUS

Diploma In Elementry Education					
Course Code	पाठ्यचर्या में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का एकीकरण **ICT integration across the Curriculum**	**L**	**T**	**P**	**C**
DELED20Y105		**4**	**2**	**0**	**6**
Pre -requisite	**Nill**	**Syllabus version**			
		100 Marks			

Course Objectives:

वर्तमान समय में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने एवं सम्प्रेषण करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गई है, तथा सम्प्रेषण तकनीकी का पाठ्यक्रम में समेकन विषय अध्ययन के द्वारा छात्राध्यापकों की कम्प्यूटर अनुप्रयोग की समझ विकसित होगी। आई सी टी का उपयोग किस प्रकार किया जाए, इसकी समझ पैदा होगी। यह विषय उनकी शिक्षण–अधिगम की समझ को विकसित करेगा। इसका उपयोग वे शिक्षण कक्ष में कर सकेंगे। यह आशा की जाती है कि यह तकनीकी उनके कक्षा शिक्षण में अत्यन्त उपयोगी होगी।

इस विषय के अध्ययन का अन्य उद्देश्य यह है कि इससे छात्राध्यापकों में अनुसंधान विधियों की समझ विकसित होगी जिसका उपयोग वे बहुआयामी संदर्भों में कर सकेंगे। वे निम्नांकित कार्यो हेतु सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का उपयोग कर सकेगें।

- दस्तावेज तैयार करने हेतु
- प्रस्तुीकरण स्लाइड तैयार करने हेतु।
- सरल ग्राफिक्स बनाने के लिए
- शैक्षिक संदर्भों में उचित मुक्त शैक्षिक संसाधनों का उपयोग

Course Outcome:

- स्कूल शिक्षा में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी की आवश्यकता समझना।
- अधिगम प्रक्रियाओं में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रयोग के माध्यम से अधिगम को प्रभावी बनाना।
- विषय में छात्र मूल्याकंन/आकलन हेतु विभिन्न सूचना एवं सम्प्रेंषण तकनीकी माध्यमों को बढ़ावा देना।
- विभिन्न विषयों में उपलब्ध सूचना एवं तकनीकी साफ्टवेयर एवं टूल्स के उपयोग को बढ़ावा देना।
- उपलब्ध मुक्त शैक्षिक संसाधनों को उपयोग करना।
- शिक्षक को सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के उपयोगकर्ता के तौर पर योग्य, कुशल एवं संवेदनशील बनाना जिससे कि वह उचित समय पर उचित तकनीकी का प्रयोग कर सकें

Student Learning Outcomes (SLO):

- आई.सी.टी. की अवधारणा तथा शिक्षा मे इसकी उपयोगिता से अवगत कराना।
- आई.सी.टी. के विभिन्न उपागमों को शिक्षण प्रक्रिया में प्रयोग करने का कौशल विकसित करना।
- आई.सी.टी. के विभिन्न उपकरणों जैसे – टी०वी०, रेडियो, कम्प्यूटर, प्रोजेक्टर, रिकार्डर इत्यादि के प्रयोग व रख–रखाव का कौशल विकसित करना।
- शिक्षण अधिगम को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिये इन तकनीकों के महत्त्व को समझना।
- इन्टरनेट, ब्राउज़र, ई–मेल तथा सर्च इंजन का शिक्षा में कैसे प्रयोग हो, ये जानना व प्रयोग करना।
- विद्यालय के विभिन्न विषयों के षिक्षण में आई.सी.टी. का समावेश कर सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाना।

Unit	Syllabus	Periods
UNIT - I	स्कूल शिक्षा में सूचना सम्प्रेषण तकनीकी आधार शिक्षा में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी– परिभाषा, अर्थ एवं भूमिका • शिक्षा में कम्प्यूटर हार्डवेयर– डाटा स्टोरेज, डाटा बैकअप सॉफ्टवेयर–सिस्टम सॉफ्टवेयर (विंडोस, लिनेक्स, एड्रोइड), एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर (वर्ड, पावरपॉइंट,एमएस एक्सेल) • इंटरनेट और इंट्रानेट– खोज करना, चयन करना डाउनलोड करना, अपलोड करना • दस्तावेज़ निर्माण और प्रस्तुतीकरण– टेक्स्ट दस्तावेज निर्माण, स्प्रेडशीट निर्माण, पावरपॉइंट निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण (स्लाइड, चार्ट, कार्टून, चित्र के साथ)	19Hrs

UNIT II	स्कूल शिक्षा में सूचना सम्प्रेषण तकनीकी आधार • मुक्त शैक्षिक संसाधन (ओईआर)– अर्थ, उद्देश्य एवं महत्व नेशनल रिपोजीटरी ऑफ ओईआर ओईआर फॉर स्कूल्स– एचबीसीएसई, टीआईएफआर, एमकेसीएल एवं आई–कोन्सेंट का संयुक्त प्रयास अन्य जैसे– स्कूल फ़ार्ज, ओपेन सोर्स एडुकेशन फाउंडेशन, नेशनल सेंटर फॉर ओपेन सोर्स एंड एडुकेशन तथा फ्लॉसएड, ऑर्ग	15Hrs
UNIT - III	सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी आधारित शिक्षण अधिगम प्रक्रिया • मस्तिष्क आधारित अधिगम (बीबीएल) • ई–लर्निंग एवं ब्लैंडेड लर्निंग • एल 3 समूह रचना, कापरेटिव एवं कोलोब्रेटीव अधिगम • फ्लिप्ड एवं स्मार्ट क्लासरूम, इंटरैक्टिव व्हाइट बोर्ड • सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी समर्थित अधिगम के वैकल्पिक तरीके– पैकेज (काई / सीएएल पैकेज, मल्टीमीडिया पैकेज, ई–कंटैंट, एमओओसी), सोशल मीडिया (मोबाइल, ब्लॉग, विकि, व्हाट्सएप, चैट आदि) • आभासी प्रयोगशाला (वर्चुअल लैब)– अर्थ एवं भूमिका • सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी आधारित अधिगम संसाधन निर्माण (एडुकाप्ले आदि द्वारा)	19Hrs
UNIT - IV	सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी आधारित आंकलन / मूल्यांकन • सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी समर्थित आंकलन / मूल्यांकन के वैकल्पिक तरीके– ई–पोर्टफोलियो, कम्प्यूटर आधारित प्रश्न बैंक आदि) • आकलन रूब्रिक के निर्माण के लिए ऑनलाइन रुब्रिक जेनेरेटर जैसे– आरयूबीआईएसटीएआर, आईआरयूबीआरआईसी • सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी आधारित आंकलन / मूल्यांकन टूल (एसओसीआरएटीआईवीई, पीआईएनजीपीओएनजी, सीएलएएसएस बीएडीजीईएस, सीएलएएसएसएमकेईआर आदि) • सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी आधारित परीक्षण निर्माण टूल्स (एचओटीपीओटीएटीओ, एसयूआरवीईवाईएमओएनकेईवाई, जीओओजीएलई एफओआरआरएम आदि)	19Hrs
UNIT - V	विषय आधारित वेब साइट एवं सॉफ्टवेयर एवं उपयोग • भौतिक विज्ञान आधारित– फीजिओन, ब्राइट स्टोर्म, कॉम, नासा वर्ल्ड वाइड • रसायन विज्ञान आधारित– पिरियोडिक टेबिल क्लासिक, कलजिअम • मेथ्स आधारित– जियो ज़ेबा, मेथ्सइसफ़न, सेज मेथ्स, खानएकदेमी, ओआरजी, टूक्स मेथ्स • समाज विज्ञान आधारित– सेलास्टिया, जी कॉपरिस, वर्ल्ड वाइड टेलेस्कोप, जी कोम्प्रिस, • भाषा आधारित–ब्राइट स्टोर्म, कॉम, • अन्य (नॉलेज एडवेंचर, माइंड जीनियेस, डिज़्नी इंटरैक्टिव, द लर्निंग कंपनी, थिंकिंगब्लोक्क्स) • कार्यशालाओं के माध्यम से। • करके सीखने के अवसर देना।	19Hrs

संदर्भ ग्रंथ सूची

best sites for free educational resorces

- http://www.resfseek.com/directory/education_video.html
- http://www.marcandangel.com2010/11/15/12-dozen-places-to-self-educate-yourselfonline/
- http://www.jumpstart.com/parents/resources
- http://opensource.com/education/13/4/guide-open-source-education
- http://www.edlproject.eu/
- http://books.google.com/googlebooks/library.html
- http://www.wikipedia.org/
- http://www.nasa.gov/
- http://wikieducator.org/Learing4Content
- http://www.eduworks.com/index.php/Publications/Learning-Object-Tutorial.html
- http://oscar.iitc.ac.in/aboutOscar.do
- (http://www.tess-india.edu.in/ में OER एवं वीडियो)

School of Education & Library Science

SYLLABUS

Diploma In Elementry Education					
Course Code	**Proficiency in English**	**L**	**T**	**P**	**C**
DELED20Y106		**4**	**2**	**0**	**6**
Pre -requisite		**Syllabus version**			
		100 Marks			

Course Objectives:

The purpose of this course is to enable the student-teachers to improve their proficiency in English. This course focuses on the receptive (listening and reading) and productive (speaking and writing) skills of English and combines within each of these, both an approach on proficiency in usage in classroom teaching.

Course Outcome:

- To strengthen the student-teacher's own English language proficiency.
- To brush up their knowledge of grammatical, lexical and discourse systems in English.
- To enable students to link this with pedagogy.
- to re- sequence units of study for those who may have no knowledge of English.

Student Learning Outcomes (SLO):

- To understand the need and importance of English at present time.
- To strengthen the student-teacher's proficiency in English.
- To enrich their vocabulary and brush up their knowledge of grammar of English in context.
- To enable student-teachers to link their proficiency with pedagogy.

Unit	Syllabus	Periods
UNIT - I	Status of English in India English as a global language, English as a Language of Science & Technology. English as a library language.	15Hrs
UNIT - II	Listening & Speaking. Phonetics and phonology- How sounds are produced, transmitted and received; stress, rhythm and intonation in pronuciation.	19Hrs
UNIT - III	Reading. Importance of reading Reading strategies – word attack, inference, extrapolation	19Hrs
UNIT - IV	Writing. Mechanics of writing-strokes and curves, capital and small letters, cursive and print script,Punctuation. Different forms of writing- formal and informal letters, messages, notices, posters, advertisements, note making, report writing, diary entry, resume (biodata/CV) writing. • Controlled and guided writing with verbal and visual inputs • Free and creative writing.	19Hrs

UNIT - V	Vocabulary & Grammar in context • Synonyms, antonyms, homophones. Word formation- prefix, suffix, compounding • Parts of speech • Tense, modals • Articles, determiners • Types of sentences (assertive, interrogative, imperative, exclamatory)	19Hrs

References

- Proficiency in English- Dr. Sharma, Dayal and Smt. Panday, Agrawal Publication, Agra.
- Agnihori, R.K. and Khanna, A.L.(1996). Grammar in context. New Delhi: Ratnasagar. Cook, G, Guy (1989) . Discourse, Oxford University Press, Great Clarendon Street, Oxford OX26DP
- Craven, M. (2008). Real listening and speaking-4. Cambridge: Cambridge University Press.
- Driscoll, L. (2008). Real Speaking. Cambridge: Cambridge University Press.
- Grellet, F. (1981). Developing reading skills UK: Cambridge: Cambridge University Press.
- Haines, S. (2008).Real Writing. Cambridge: Cambridge University Press.
- Hedge, T. 1988). Writing. Oxford: Oxford University Press.
- IGNOU (1999).Reading Comprehension (material for Couse ES-344 Teaching of English). New Delhi: New Delhi: IGNOU.
- Lelly, C. Gargagliano, A. (2001). Writing from Within. Cambridge: Cambridge University Press.
- Maley, A. & Duff, A. (1991). Drama techniques in language learning: A resource book of communi-cation activities for language teachers (2nd ed.). Cambridge: Cambridge University Press.
- Morgan, J. and Rinvolucri, M. (1983). Once upon a time: Using stories in the language classroom, Cambridge: Cambridge University Press.
- Radford, A. (2014). English syntax Cambridge University Press.
- Seely, J. (1980). The Oxford guide to writing and speaking. Oxford: Oxford University Press.
- Slatterly, M. and Willis, J. (2001). English for primary teachers: A handbook of activites & Classroom language. Oxford: Oxford University Press.
- Thornbury, Scout(2005)Beyond the Sentence- Introducting Discourse analysis.
- wright, A.(1989). Pictures for language learning, Cambridge: Cambridge University Press.
- (http://www.tess-india.edu.in/ in OER & Vedio)

Course Code	योग शिक्षा	L	T	P	C
DELED20Y107		4	2	0	6
Pre -requisite	Nill	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

शालेय स्तर पर आसन और प्राणायाम को करवाया जाये । जिससे बच्चों में एकाग्रता, ध्यान केन्द्रण के साथ–साथ शारीरिक स्वास्थ्य बन सके। शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़ा मानसिक और संवेगात्मक स्वास्थ्य होता है। यह सब उत्तम हो इसके लिए शरीर का संचालन जरूरी है। योग से तन के साथ मन भी स्वस्थ होता है।

Course Outcome:

1. प्राचीन काल से योग के विकास का संक्षिप्त वृतांत बता सकेंगे।
2. योग की महत्वपूर्ण विधियॉ और इसके सिद्धांत का उल्लेख का इनकी विवेचना कर सकेंगे ।
3. कुछ महत्वपूर्ण योग विद्या के ग्रथों का नाम बताकर इसका संक्षिप्त दर्शन,पतांजलि और हठयोग ग्रंथ दोनो के संबंध में, प्रस्तुत कर सकेंगे।
4. उदाहरण के माध्यम से स्पष्ट कर पायेंगे कि योग स्वस्थ जीवन के लिए किस प्रकार महत्वपूर्ण है ।
5. यह स्पष्ट रूप से बता सकेंगे कि योगाभ्यास को किस प्रकार से एकाग्रचित होने के लिए, नेत्र दृष्टि बढ़ाने आदि के लिए व्यवहार में अपनाया जा सकता हैं।
6. क्रोध पर काबू पाने के लिए योगाभ्यास के अनुप्रयोग को स्पष्ट कर पायेंगे

Student Learning Outcomes (SLO):

1. छात्र–शिक्षकों में जीवन की गुणवत्ता विकसित करने के लिए योग व्यवहारों के सिद्धान्तों की समझ पैदा करने हेतु।
2. उचित योग आसन को प्रदर्शित करने की योग्यता विकसित करना जिससे शारीरिक व मानसिक दशा विकसित हो और भावनात्मक संतुलन बना रहे।
3: युवाओं की मनोवैज्ञानिक क्रियाओं को विकसित करने में मदद करना, जैसे जागरुकता, एकाग्रता एवं इच्छा शक्ति।
4. युवाओं में सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना।
5. भारतीय संस्कृति के उन व्यवहारों के लिए सम्मान विकसित करना जो अर्थपूर्ण एवं प्रासंगिक शैक्षिक रणनीतियों का समर्थन करती हैं।
6. आदर्श सामाजिक कौशल एवं ताकत का विकास करने के लिए अवसरों का निर्माण करना।

Unit	Syllabus	Periods
UNIT - I	योग का परिचय (Introduction to Yoga) • योग का अर्थ एवं परिभाषा, योग का क्षेत्र, योग के उद्देश्य, योग के प्रकार (भक्ति योग, कर्मयोग,ज्ञानयोग, हठयोग, मन्त्रयोग, लययोग, कुण्डलिनी योग), योग व व्यायाम में अन्तर, योग के पूरक • व्यायाम– सूक्ष्म यौगिक क्रियायें, • योग का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य– पतञजलि से पूर्व में योग की स्थिति (सिन्धु घाटी की सभ्यता,वैदिककाल, उपनिषदकाल, रामायणकाल महाभारतकाल) सांख्य और योग, जैन धर्म एवं योग बौद्ध धर्म एवं योग।	19hrs

UNIT - II	पतञ्जलि के समय और पतञ्जलि के पश्चात योग का विकास (Patanjali Yoga and post patanjali developments) • महर्षि पतंजलि द्वारा योग का सुव्यवस्थीकरण, अष्टांग योग का विस्तृत विवेचन, यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि, महर्षि पतञ्जलि का योग के क्षेत्र में योगदान। • पतञ्जलि के पश्चात योग का विकास योग के विभिन्न ग्रंथों का सामान्य परिचय योगसूत्र, हठयोग प्रदीपिका, आधुनिक युग में योग का पुनर्जागरण।	19hrs
UNIT - III	योग एवं ध्यान की अन्य महत्वपूर्ण प्रणालियाँ (Calucation and other Important system of Yoga and meditation) • ध्यान का अर्थ, प्रकार एवं लाभ, ध्यान में उपयोगी एवं बाधक तत्व। • पंचकोष की अवधारणा, भगवद्गीता और योग, ध्यानयोग– (गीता, अध्याय 6 में वर्णित श्लोक संख्या 10 से श्लोक संख्या 36 तक की व्याख्या) जप ध्यान, अजपाध्यान, पतञ्जलि के आधार पर ध्यान पद्धति। • प्रेक्षा ध्यान अर्थ और उद्देश्य, विपश्यना ध्यान का अर्थ और उद्देश्य।	19hrs
UNIT - IV	शरीर रचना विज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य पर योग का प्रभाव (Effect of yoga on Physilogy and mental health) • शारीरिक तन्त्रों पर योग का प्रभाव–परिसंचरण तन्त्र, कंकाल तन्त्र, पाचन तन्त्र, श्वसन तत्त्र, तन्त्रिकातन्त्र, उत्सर्जन तन्त्र। • अन्तःस्रावी ग्रन्थियाँ का परिचय एवं उन पर योग का प्रभाव। • मानसिक स्वास्थ्य, चिन्ता, अवसाद, तनाव कम करने में योग की भूमिका।	19hrs
UNIT - V	• शिक्षक एवं विद्यार्थियों के लिए योग का महत्व। • योग के क्षेत्र में विभिन्न योग संस्थाओं का योगदान जैसे– कैवल्यधाम लोनावाला, बिहार योग विद्यालय मुंगेर, स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर, दिव्य जीवन संघ शिवानन्द आश्रम, ऋषिकेष, • मोरार जी देशाई राष्ट्रीय योग अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली, केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली, पतञ्जलि योगपीठ हरिद्वार।	15hrs

संदर्भ ग्रन्थ सूची –

1- पातञ्जलि योग प्रदीप – स्वामी ओमकारानन्दनन्द – गीता प्रेस गोरखपुर
2- योगांक – गीता प्रेस गोरखपुर
3- योग और हमारा स्वास्थ्य– आर.के. स्वर्णकार आरती प्रकाशन इलाहबाद
4- योगदर्शनम् – आचार्य उदयजी शास्त्री विजय कुमार गोविन्दराम हासानन्द दिल्ली।
5- पातञ्जलि योग सार – डॉ. साधना, दौनेरिया, मधूलिका प्रकाशन इलाहबाद
6- योग और यौगिक चिकित्सा – प्रो. राम हर्ष सिंह चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी ।
7- (http://www.tess-india.edu.in/ में OER एवं वीडियो)

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञान प्राप्तये लक्ष्य संधानम्
Estd. by Madhya Pradesh Niji Vishwavidyalaya (Sthapna Avam Sanchalanal Adhyadesh, 2020

School of Education & Library Science

SYLLABUS

Course Code	हिन्दी भाषा शिक्षण (क्षेत्रीय भाषा शिक्षण) Hindi Language Teaching (Pedagogy of Regional Language)	L	T	P	C
DELED20Y108		4	2	0	6
Pre -requisite	Nill	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

हिन्दी भाषा शिक्षण का उद्देश्य परिवार, समाज और राष्ट्र में अच्छी भाषा का संचालन होता है। हिन्दी भाषा शिक्षण के कौशलों का विकासकरना व्याकरण संबंधी जानकारियाँ देना। इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य है। भाषा के मूल तत्वों को प्रकृति को जानकर छात्राध्यापक अपनी पाठयोजना तैयार कर सकें, शुद्ध बोलना, शुद्ध वाचन बच्चों को सिखा सकें, इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये हिन्दी भाषा शिक्षण को डी. एल.एड. पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

Course Outcome:

- हिन्दी भाषा की प्रकृति एवं संरचना से छात्राध्यापकों को परिचित कराना।
- स्कूली पाठ्यक्रम के वृहद परिप्रेक्ष्य में हिन्दी भाषा के महत्व, उसके अधिग्रहण तथा अधिगम को समझना।
- हिन्दी भाषा के विभिन्न कौशलों एवं उनके शिक्षण के उद्देश्य तथा अधिगम के तरीकों को समझना।
- हिन्दी भाषा की विषयवस्तु में व्याकरण के रचनात्मक प्रयोग करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- भाषा की प्रकृति के बारे में समझ बनाना।
- प्रत्येक भाषा में निहित बहुभाषिकता को समझना।
- बच्चे भाषा का अर्जन और उपयोग कैसे करते हैं, इस प्रक्रिया को समझना।
- विषय के रूप में भाषा और विभिन्न विषयों के माध्यम के रूप में भाषा की समझ विकसित करना।
- विद्यालय का बच्चों की भाषा पर पड़नेवाले प्रभावों का अध्ययन करना।
- भाषा और समाज के मध्य रिश्तों के बारे में विवेचनात्मक समझ विकसित करना।
- भाषा के सामाजिक, राजनैतिक व सांस्कृतिक संदर्भा को समझना।

Unit	Syllabus	Periods
UNIT - I	हिन्दी भाषा शिक्षण के उद्देश्य और कक्षा प्रतिक्रिया • हिन्दी भाषा शिक्षण के उद्देश्य • माध्यम भाषा/ प्रथम भाषा के रूप में हिन्दी का स्वरूप • हिन्दी भाषा का अधिग्रहण और उस संदर्भ में कक्षा की प्रतिक्रिया • शिक्षण की भूमिका	19Hrs
UNIT - II	हिन्दी भाषा शिक्षण के कौशल • सुनना और इस कौशल से क्या आशय है। • हिन्दी भाषा की कक्षा में सुनना कौशल का विकास संबधी गतिविधियाँ • बोलने के कौशल का आशय • हिन्दी भाषा कक्षा में बोलना कौशल के विकास के लिए गतिविधियाँ (गीत, कविता, संवाद, संभाषण, विडियो, सिनेमा)	19Hrs

UNIT - III	भाषा शिक्षण के कौशल • पढ़ना कौशल से तात्पर्य • हिन्दी भाषा कक्षा में पढ़ने के कौशल से संबधित गतिविधियाँ –विषयवस्तु का वाचन, वाचन पश्चात् अपने अनुभव से जोड़ना–1 विभिन्न प्रकार की पठनीय सामग्री का वाचन कर उसका आनंद उठाना। • हिन्दी भाषा की कक्षा में पढ़ने के कौशल विकास के लिए रणनीति – पढ़ने के पूर्व और पढ़ने के बाद की गतिविधियाँ। • लेखन के कौशल से तात्पर्य • हिन्दी भाषा की कक्षा में लेखन कौशल के विकास के लिए गतिविधियाँ।	19Hrs
UNIT - IV	गद्य और पद्य शिक्षण • गद्य और पद्य शिक्षण के उद्देश्य • हिन्दी भाषा को कक्षा, लेख, व्यंग, निबंध आदि शिक्षण की पाठ योजना बनाना और कक्षा की प्रतिक्रिया।	15Hrs
UNIT - V	व्यावहारिक व्याकरण एवं मूल्यांकन • कक्षा के स्तरानुरूप व्याकरण तत्व का रचनात्मक पद्धति से शिक्षण • व्याकरण के खेल/गतिविधि • हिन्दी भाषा कक्षा का रचनात्मक मूल्यांकन • हिन्दी भाषा की कक्षा में योगात्मक मूल्यांकन • आकलन/मूल्यांकन का रख–रखाव, टीप लिखना, फीडबैक	19Hrs

संदर्भ ग्रंथ की सूची

- NCF-2005
- भारतीय भाषाओं का शिक्षण–आधार पत्र NCERT–2005
- हिन्दी भाषा शिक्षण– डॉ. प्रकाश चंद्र भट्ट
- भाषा विज्ञान–डॉ. भोलानाथ तिवारी
- भाषा की प्रकृति इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली
- बच्चे की भाषा और अध्यापक – N.B.T. कृष्ण कुमार
- भाषा शिक्षण. SCERT छत्तीसगढ़
- भाषा और पहचान– डेविड क्रिस्टल
- पढ़ने की समझ– NCERT, नई दिल्ली

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञान प्राप्तये लक्ष्य संधानम्
Estd. by Madhya Pradesh Niji Vishwavidyalaya (Sthapna) Avam Sanchalanal Adhyadesh, 2020

hool of Education & Library Science

SYLLABUS

Diploma In Elementry Education					
Course Code	संस्कृत शिक्षण (क्षेत्रीय भाषा शिक्षण) Sanskrit Language Teaching (Pedagogy of	L	T	P	C
DELED20Y108	First	4	2	0	6
Pre -requisite	Nill	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

छात्राध्यापक भाषा का उचित एवं सही प्रयोग कर सकें इसके लिए भाषायी दक्षताएँ तथा कौशल विकसित करने का दायित्व भाषा शिक्षक का ही होता है। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षक प्रशिक्षक संस्कृत भाषा सीखने एवं प्रयोग व्यवहार में लाने योग्य कक्षा में अनुकूल परिस्थितियों एवं अवसरों का निर्माण करें।

Course Outcome:

- छात्राध्यापकों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि एवं समझ जागृत करना।
- संस्कृत भाषा के भाषायी कौशलों का विकास करना।
- छात्राध्यापकों को संस्कृत भाषा की शब्दावली,व्याकरण,शुद्ध उच्चारण एवं लेखन से परिचित कराना (रचनात्मक तरीकोंसे)
- संस्कृत साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि उत्पन्न करना एवं लेखन एवं संवाद कौशल को बढ़ावा देना।
- छात्राध्यापकों के संस्कृत व्याकरण ज्ञान एवं उनके व्याकरण के प्रयोग कौशल में वृद्धि करना।
- छात्राध्यापकों को संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं, यथा– काव्य, कथा, गद्य आदि का शिक्षण कर सकने योग्य बनाना।
- संस्कृत भाषा की संरचना को रटे बिना समझना (समझ विकसित करना)
- संस्कृत माध्यम में शिक्षण की चुनौतियों को समझना।
- संस्कृत के प्राचीन एवं आधुनिक साहित्यकारों लोक साहित्यकारों की कृतियों से परिचित कराना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- भाषा की प्रकृति के बारे में समझ बनाना।
- प्रत्येक भाषा में निहित बहुभाषिकता को समझना।
- बच्चे भाषा का अर्जन और उपयोग कैसे करते हैं, इस प्रक्रिया को समझना।
- विषय के रूप में भाषा और विभिन्न विषयों के माध्यम के रूप में भाषा की समझ विकसित करना।
- विद्यालय का बच्चों की भाषा पर पड़नेवाले प्रभावों का अध्ययन करना।
- भाषा और समाज के मध्य रिश्तों के बारे में विवेचनात्मक समझ विकसित करना।
- भाषा के सामाजिक, राजनैतिक व सांस्कृतिक संदर्भ को समझना।

Unit	Syllabus	Periods
UNIT - I	संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य एवं कक्षा प्रक्रियाएँ • संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य • द्वितीय भाषा के रूप में संस्कृत की कक्षा का स्वरूप • भाषा का अधिग्रहण और इसके संदर्भ में कक्षा की प्रक्रियाएँ • द्वितीय भाषा के शिक्षण के रूप में संस्कृत शिक्षक की भूमिका	19Hrs
UNIT - II	भाषा शिक्षण के कौशल–सुनना • सुनने का तात्पर्य • संस्कृत की कक्षा में श्रवण कौशल के विकास की गतिविधियाँ • बोलने का तात्पर्य • संस्कृत की कक्षा में बोलने के कौशल के विकास की गतिविधियाँ (संस्कृत गीत, कहानी, संवाद, संभाषण आदि के द्वारा)	19Hrs

UNIT - III	भाषा शिक्षण के कौशल–पढ़ना • पढ़ना यानी क्या? • संस्कृत की कक्षा में पठन गतिविधियाँ– पाठ्यपुस्तक को संस्कृत माध्यम से पढ़ना,पढ़कर उसे अनुभवों से जोड़ना, विविध तरह की पाठ्यसामग्री को पढ़कर उसका आनंद ले पाना। • संस्कृत की कक्षा में पढ़ने की रणनीतियाँ– किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने से पूर्व पढ़ने के दौरान और पढ़ने के बाद अपनाई जाने वाली रणनीतियाँ • लिखना यानी क्या? • संस्कृत की कक्षा में बच्चों को मौलिक लेखन के कौशल के विकास हेतु की जाने वाली गतिविधियाँ	19Hrs
UNIT - IV	गद्य और पद्य शिक्षण • गद्य और पद्य शिक्षण के उद्देश्य • संस्कृत की कहानी, आलेख, निबंध आदि को पढ़ाने की पाठयोजना एवं कक्षा प्रक्रियाएँ • संस्कृत की कविता, गीत, श्लोक आदि को पढ़ाने की पाठयोजना एवं कक्षा प्रक्रियाएँ	15Hrs
UNIT - V	व्यावहारिक व्याकरण एवं मूल्यांकन • कक्षानुसार व्याकरण के तत्वों को रचनात्मक तरीके से पढ़ाने के तरीके • व्याकरण के खेल / गतिविधियाँ • संस्कृत की कक्षा में रचनात्मक (मौलिक / लिखित) मूल्यांकन • संस्कृत की कक्षा में योगात्मक मूल्यांकन • मूल्यांकन / आकलन के दस्तावेजों का संधारण, टिप्पणी लेखन, फीडबैंक	19Hrs

संदर्भ ग्रंथ सूची–

- ग्रंथ संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका – लेखक डॉ. बाबूराम सक्सेना, इलाहबाद
- संस्कृत भाषा शिक्षण – रामशकल पाण्डेय, इलाहबाद
- वृहद अनुवाद चंद्रिका – चक्रधर नौटियाल'हंस', मोतीलाल बनारसीदास
- रचना अनुवाद कौमुदी – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
- संस्कृत हिन्दी कोश – वामन शिवराम आप्टे, मोतीलाल बनारसीदास
- (http://www.tess-india.edu.in/ में OER एवं वीडियो)

School of Education & L

SYLLABUS

Diploma In Elementry Education

Course Code	Pedagogy of English Language (For primary)	L
DELED20Y109		4
Pre -requisite		

Course Objectives:

This Course focuses on the teaching of English to learners at the elementary level. The aim is also to expose the student-t practices in English language Teaching (ELT). The course also offers the space to critique existing classroom methodolo perspective of this course is based on a constructivist approach to language learning. This course will enable the student-t supportive environment which encourages their learners to experiment with language learning. The course will also focus understanding of second language learning.

Course Outcome:

Course Outcome:

- Equip student-teachers with a theortical perspective on English as a "Second Language"(ESL)"
- Enable student-teachers to grasp general principles in language learning and teaching.
- To understand young learners and their learning context.
- To grasp the principles and practice of unit and lesson planning for effective teaching of English.
- To develop classroom management skills; procedures and techniques for teaching language.
- To Examine and develop resources and materials and there usage with young learners for language teaching and testing.
- To examine issue in language assessment and their impact on classroom teaching.

Student Learning Outcomes (SLO):

- To understand the need and importance of English at present time.
- To strengthen the student-teacher's proficiency in English.
- To enrich their vocabulary and brush up their knowledge of grammar of English in context.
- To enable student-teachers to link their proficiency with pedagogy.

Unit	Syllabus
UNIT - I	Teaching of English at the Elementary level • Issues of learning English in a multilingual' multicultural society. • Issues of teaching Englilsh as second language at (a) Early primary- class I and II, (b) Primary- class III, IV and V. • Learner socio-Cultural background and need learning English
UNIT - II	Understanding of Textbooks and Approaches to the Teaching of English • The cognitive and constructive approach-nature and role of learner, catering to different types of le of learning, learning style, teaching large classes, socio-cultural pace factors and socio-psychological • Behaviouristic approach- direct method, grammar- translation method, structural, approval, comm approach, state specific methods- Activity Based Learning (ABL) and Active learning Methodolog • The internal assessment will be done on the following two sub-sections

UNIT - III	Classroom transaction process. • Stating learning outcomes and achieving them • Pair work, group work • Use of story telling, role play, drama, songs as pedagogical tools. • Pre-reading, reading and Post-reading, objectives and procsses. • Questioning to promote thinking. • Dealing with textual exercises. The internal assessment will be done on the following section- A. Preparing teaching plan (five) using constructive approch and including at least three of the follow activities: (i) pair work (ii) group work (iii) story telling (iv) role-play (v) drama (vi) songs/rhymes (vii) questioning to promote thinking. B. Peer analysis of the lession plan C. Suggested ICT activities • Searching and downloading lesson plan based on constructivist approch • Edit, moderate and contextalize at least one leasson plan. • Present lesson plan digitally (on LCD projection or on smartphone)
UNIT - IV	Curriculum, textbook and material development. • Preparing material for young learners. • Using local resources. • Using open resource (OER's) text, video, audio • Analyzing and receiving teaching- learning materials and OER's. • Academic standards, learning indicators and learning outcomes. • Need and process of curriculum revision • Text analysis of school textbooks for English
UNIT - V	Planning & Assessment • Planning for teaching • Year plan, unit plan and period plan. • Teachers' reflection on their own teaching learning practices • Continuous and comprehensive evaluation (CCE) • Monitoring of learning and giving feed back

Referances

- Anandan. K.N.(2006). Tuition to Intuition, Transend, Calicut.
- Brewster, E., Girard, D. and Ellis G. (2004). The Primary English Teacher's Guide. penguin. New Edition
- Ellis, G. and Brewster, J. (2002). Tell it agin! The New Story-telling Handbook for Teachers.Penguin.
- NCERT (2005). National Curriculum Framework, 2005. New Delhi: NCERT
- NCERT (2006). Position Paper National Focus Group on Teaching of English. New Delhi.
- Scott, W.A. and Ytreberg, (1990). Teaching English to Children. London: Longman Slatternly,
- M. and Willis, J.(2001). English for Primary Teachers: A Handbook of Activities and
- Classroom Language, Oxford: Oxford University Press.
- (http://www.tess-india.edu.in/ in OER & Vedio)

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञान प्राप्तये लक्ष्य संधानम्
Estd. by Madhya Pradesh Niji Vishwavidyalaya (Sthapna Avam Sanchalanal Adhyadesh) 2020

# of Education & Library Science

SYLLABUS

Diploma In Elementry Education					
Course Code	गणित शिक्षण (पूर्व प्राथमिक और प्राथमिक के लिए) **Pedagogy of Mathematics Education (for Early Primary and Primary School)**	**L**	**T**	**P**	**C**
DELED20Y110		**4**	**2**	**0**	**6**
Pre -requisite	**Nill**	**Syllabus version**			
		100 Marks			

Course Objectives:

कोर्स का उद्देश्य भावी शिक्षकों को इस तरह संवेदनशील बनाना है कि वे न सिर्फ प्राथमिक स्तर पर पढ़ाए जाने वाले गणित के विषय के अपने ज्ञान का चिंतन कर सकें, बल्कि बच्चों और उनके अनुभवों से अपने आप को जोड़ सकें। इस कोर्स से जुड़ने से भावी शिक्षक इस योग्य हो सकेंगे कि वे बच्चों और उनकी गणित शिक्षा के बारे में शोध में कही गई चीजों से सीख सकें और उस पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकें तथा सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकें।

Course Outcome:

- प्राथमिक स्तर के गणित के विषय क्षेत्र पर अपनी गहरी समझ विकसित करने येाग्य बनाना।
- उन घटकों के प्रति जागरूक करना जो गणित सीखने की प्रक्रिया पर प्रभाव डालते हैं।
- उन तरीकों के बारे में संवेदनशील बनाना जिन तरीकों से छात्र गणितीय ज्ञान के प्रति अपनी प्रतिक्रिया देते हैं।
- कौशल विकास, गहरी अन्तर्दृष्टि पैदा करने, उपयुक्त सोच हासिल करने एवं बच्चों के प्रभावी तरीके से सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए कारगर रणनीतियों की समझ विकसित करने में मदद करना।
- अर्थपूर्ण तरीके से गणित सीखने और पढ़ाने के लिए आत्मविश्वास का निर्माण करना।
- मुख्यतः संख्या और स्थान (space) से सम्बन्धित गणितीय अवधारणाओं और पढ़ाने के दौरान बच्चों के साथ इसका प्रयोग करने के कौशल और समझ को विकसित करना।
- गणितीय तरीके से सोचने और तर्क कर सकने के योग्य बनाना।
- अवधारणाओं को उसकी तार्किक परिणिति तक ले जा पाये और कक्षा में छात्रों के साथ इसका प्रयोग कर पाने योग्य बनाना।
- बच्चों के लिए उचित गतिविधियों को डिज़ाइन कर सकने के ज्ञान एवं कौशल में समर्थ बनाना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- गणित सीखने–सिखाने के तरीकों व उनके अंतर्गत आने वाले विभिन्न पहलुओं को समझेगा।
- विभिन्न प्रकार की शिक्षण अधिगम सामग्री की आवश्यकता एवं उपयोग का समधान करना सीखेगा।
- सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में योजना को आवश्यक व महत्व को समझना।
- इकाई योजना व सीखने की योजना को समझेगा।
- आकलन की अवधरणा, इसके विभिन्न तरीकों व मूल्यांकन अधारित उपचारात्मक शिक्षण को समझेगा।
- प्राथमिक स्तर पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा को समझेगा।
- ज्यामितीय आकृतियाँ एवं पैटर्न संबंधी अवधरणाओं को समझेगा।
- भिन्नों की आवश्यकता व उपयोग को समझेगा।

Unit	Syllabus	Periods
UNIT - I	गणित से परिचय (Introduction to Mathematics) एवं गणित– शिक्षण सिद्धान्त (Mathematics Teaching Principles) • गणित क्या है और जीवन में यह कहाँ–कहाँ है? • हम गणित क्यों पढ़ाते हैं? • दैनिक जीवन में गणित की क्या आवश्यकता व महत्व है? • गणित के आयाम : अवधारणा, प्रक्रिया, प्रतीक व भाषा। • गणितीकरण।	30

UNIT - II	गणित– शिक्षण सिद्धान्त (Mathematics Teaching Principles) एवं गणित शिक्षण विधियाँ (Mathematics Teaching Method) • सीखने वाले को समझना • सीखने की प्रक्रिया को समझना • सीखने एवं शिक्षण की त्रुटियाँ • गणित सीखने एवं सिखाने की विधियाँ– आगमनात्मक और निगमनात्मक (Induction and Deduction)विशिष्टीकरण एवं सामान्यीकरण, गणित के सिद्धान्त	30
UNIT - III	गणना, संख्याएँ एवं उनकी संक्रियाएँ (Counting, Numbers and its Operations) • संख्या–पूर्व अवधारणाएँ। • संख्या की समझ एवं प्रस्तुति। • अंक और संख्या। • गणना और स्थानीयमान। • भिन्न की अवधारणा और उसकी प्रस्तुति। • संख्याओं और गणितीय संक्रियाएँ।	30
UNIT - IV	ज्यामितीय आकार एवं पैटर्न (Geometrical Shapes and Pattern) आकृतियों के प्रकार– द्विविमीय एवं त्रिविमीय (2 डी और 3 डी)। • आकृतियों की समझ– परिभाषा, आवश्यकता और अन्तर। • गणित में विभिन्न आकारों की समझ। • पैटर्न– परिभाषा, आवश्यकता और प्रकार। • संख्याओं और आकृतियों में पैटर्न की समझ।	30
UNIT - V	पाठ्यपुस्तकों और शिक्षा शास्त्र की समझ (Understanding of Text book and Pedagogy) • गणित की पाठ्यपुस्तकों के विकास के लिए दार्शनिक और मार्गदर्शी सिद्धान्त। • गणित शिक्षण के लिए विषयवस्तु, दृष्टिकोण तथा विधि– संवादमूलक और सहभागी तरीका, एक सुविधादाता के रूप में शिक्षक। • विषय (Theme), इकाई की संरचना, अभ्यास की प्रकृति और उसके प्रभाव। • अकादमिक मानक और सीखने के संकेतक। • गणितीय पाठ्यचर्या के प्रभावी अंतरण (transaction) के लिए अधिगम स्त्रोत (Learning Resources) कक्षा योजना एवं आकलन (मूल्यांकन) (Classroom Planning and assisment) • शिक्षण तैयारी : गणित शिक्षण के लिए योजना, वार्षिक योजना, इकाई योजना और कालखंड योजना। • योजना का आकलन (मूल्यांकन) ।आकलन व मूल्यांकन – परिभाषा, आवश्यकता एवं महत्व। • सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आकलन (ब्म)– अधिगम के लिए आकलन, अधिगम का आकलन, रचनात्मक आकलन एवं उपकरण, योगात्मक आकलन, भारिता टेबल (वेटेज टेबल), पृष्ठपोषण एवं रिपोर्टिंग, रिकार्ड एवं रजिस्टर।	

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. म.प्र. पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित कक्षा 1 से 8 तक की गणित विषय की प्रचलित पाठ्य पुस्तकें।
2. गणित शिक्षण – एम.एस. रावत व एस.बी.लाल
3. गणित अध्ययन सत्संगी एवं दयाल
4. NCF 2005 NCERT द्वारा प्रकाशित
5. Position Paper National Focus Group on Teaching of Mathematics
6. NCERT द्वारा तैयार गणित किट प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर
7. निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009
8. वैदिक गणित स्वामी भारती कृष्ण तीर्थ
9. वैदिक गणित भाग 1,2,3, – डॉ. कैलाश विश्वकर्मा
10. मापन एवं मूल्यांकन –आर.ए. शर्मा
11. राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्रकाशित विद्यार्थी मूल्यांकन निर्देश पुस्तिका
12. (http://www.tess-india.edu.in/ in OER & Vedio)

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञान प्राप्तये लक्ष्य संधानम्
Estd. by Madhya Pradesh Niji Vishwavidyalaya (Sthapna Avam Sanchalanal Adhyadesh, 2020

School of Education & Library Science

SYLLABUS

Diploma In Elementry Education					
Course Code	स्व बोध **Towards Self-Understanding**	**L**	**T**	**P**	**C**
DELED20Y111		**0**	**0**	**3**	**3**
Pre -requisite		**Syllabus version**			
		100 Marks			

व्यावहारिक–1

लिखित / मौखिक

1. **दैनंदिनी लेखन** – इसके अंतर्गत छात्राध्यापक नियमित दैनंदिनी लिखेंगे। दैनंदिनी के बिन्दु स्पष्ट हो। यह दैनंदिनी दिनचर्या एवं अन्तर्वैयक्तिक सम्बन्धों के कारण दिनचर्या एवं स्वयं के व्यवहार में आने वाले परिवर्तनों एवं अनुभवों पर आधारित हो।

(अ.) अपने जीवन में होने वाली किसी विशिष्ट घटनाओं जैसे कोई पुरस्कार प्राप्ति, किसी विशिष्ट व्यक्ति से मुलाकात, कोई पढ़ी गयी पुस्तक आदि पर अपनी प्रतिक्रिया लिखेगें।

(ब.) समसामयिक विषय या मुद्दे पर अपने विचार लिखना ।

(स.) ऐसी शैक्षिक समस्या जिसका वे सामना कर रहे हो उस पर अपने विचार लिखना।

(द.) संस्था में हुए किसी विशिष्ट आयोजन पर लेख लिखना।

2. **अन्य लेखन** – इसके अंतर्गत अपने जीवन से सम्बधित अनुभवों का लेखन कार्य किया जाएगा।

कार्यशाला और सेमिनार

कार्यशाला के विषय – कार्यशालाएँ निम्नलिखित निम्न विषयों पर आयोजित किए जाएगें।

1. फिल्म, कला, थिएटर और सीखना
2. जेण्डर और परवरिश
3. प्रतिष्ठित व्यक्तियों के बारे में विस्तार से जानना
   (प्रतिष्ठित व्यक्तित्व, जैसे स्वामी रामतीर्थ, आदि शंकराचार्य, आदि कवि बाल्मीकी, तुलसीदास, मीराबाई, स्वामी रामतीर्थ, रैदास के बारे में जानना।)
4. जीवन की प्रमुख घटनाएँ एवं अनुभव

संगोष्ठी के विषय –

संगोष्ठी निम्नलिखित चार विषयों पर आयोजित किए जाएँगे।

1. भारत में विभिन्न प्रकार के बच्चों की झलक : (ग्रामीण, शहरी, श्रमिक, सुदूर पहाड़ी क्षेत्र, विभिन्न राज्यों के बच्चे आदि)
2. समाज में विज्ञान और धर्म की भूमिका (विभिन्न धर्मों जैसे सनातन धर्म, मुस्लिम धर्म, ईसाई धर्म, जैन धर्म, एवं बौध धर्म आदि के लक्षण, स्वरूप एवं सदगुण)
3. भारत में प्राचीन एवं आधुनिक शिक्षा का स्वरूप
4. प्रमुख शिक्षाविदों के (महात्मा गाँधी, श्री अरविन्द, रविन्द्रनाथ टैगोर, गिजूभाई बधेका) शैक्षिक चिंतन

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञान प्राप्तये लक्ष्य संधानम्
Estd. by Madhya Pradesh Niji Vishwavidyalaya (Sthapna Avam Sanchalanal Adhyadesh, 2020

School of Education & Libra

SYLLABUS

Diploma In Elementry Education		
Course Code	रचनात्मक नाटक, ललित कला और शिक्षा **Creative Drama, Fine Art and Education**	**L**
DELED20Y112		**0**
Pre -requisite		**Sy**

व्यावहारिक–2

लिखित / मौखिक

नाटक की अवधारणा, प्रकार, गतिविधियां, कार्य योजनाएँ–

रचनात्मक नाटक : महत्वपूर्ण क्षेत्र :–

1. जीवन को समझना। जीवन से सीखना, इसके अभ्यास के लिए शिक्षक द्वारा गतिविधियों का आयोजन करना और बच्चों को प्रत्यक्ष अनुभव से
2. सामाजिक विभिन्नताओं एवं विषमताओं एवं विशेषताओं को पहचानना और दूसरों के सन्दर्भ में स्वयं को रखकर देख पाना।
3. अपने अवलोकन को पैना बनाना और समान परिस्थिति को विभिन्न दृष्टिकोण से देखने की क्षमता विकसित करना।
4. सामान्य दिखाई देने वाली परिस्थितियों को व्यापक सन्दर्भ में समझना।
5. रोजमर्रा के जीवन में होने वाले परिवर्तन के कारण और उनके परिणामों की पहचान करना।
6. कक्षा की खोजों और उसके बाहर की दुनिया की परिस्थितियों और घटनाओं से जुड़ाव का विश्लेषण और उस पर लगातार अपनी प्रतिक्रिया

रचनात्मक नाटक की गतिविधियाँ

- नुक्कड़ नाटक : सामाजिक, शैक्षिक, मूल्य आधारित
- एकल अभिनय
- एकांकी
- नृत्य नाटिका
- लोक नाट्य
- इंटर्नशिप के दौरान कक्षा शिक्षण के समय पाठ आधारित नाटकों का मंचन छात्रों से करवाएँ।
- इंटर्नशिप के दौरान पाठ पर आधारित कहानियों को नाटक में प्रस्तुत करने छात्रों को प्रोत्साहित करें
- नाटकों में तकनीक का उपयोग कर प्रस्तुति करना देना।

ललित कला :

1. किसी हस्तकला दीर्घा, कला संग्रहालय, जैसे स्थानों का भ्रमण करना और इस अनुभव के बारे में समूह में चर्चा करना।
2. छोटे समूहों के साथ हस्तकला, जनजातीय कला और संगीत के अभ्यास आयोजित करना तथा उन पर चर्चा करना।
3. विविध कला माध्यमों का उपयोग करते हुए कला कृतियों की रचना करना जैसे : पानी, कागज़, क्रियॉन, आइल पेंट, केनवास आदि के माध्यम से लाइन, रूप, संयोजन, रंग, स्थान विभाजन आदि के बारे में सीखना, स्वतंत्र चित्र बनाना, कोलाज़ बनाना, चित्रकला बनाना।
4. "सिनेमा एक कला के रूप में मूल्यांकन करना, सीखना और हमारे जीवन पर इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रभाव को समझना।
5. सामाजिक एवं शैक्षणिक मुद्दों पर आधारित चर्चित वैकल्पिक फिल्मों को दिखाकर उन पर चर्चा करना।
6. भाषा साहित्य एवं प्रदर्शन कलाओं से जुड़ाव बनाना, विविध भाषाओं में कविता, कहानी, आदि को एकत्रित कर उनका पठन करना।
7. नाटक और साहित्य को पढ़ना और उनका आनन्द लेना।
8. वास्तु विरासत की गहरी समझ विकसित करना। स्थानीय ऐतिहासिक इमारतों का भ्रमण करना और उनमें निहित सौंदर्य शास्त्र का मूल्यांकन करना

SYLLABUS

Diploma In Elementry Education

Course Code	बच्चों का शारीरिक, भावनात्मक स्वास्थ्य और शिक्षा Children's Physical - Emotional, Health, and Health Education	L
DELED20Y113		0
Pre -requisite		Sy

व्यावहारिक–3

लिखित / मौखिक

स्वास्थ्य एवं कल्याण की समझ

- स्वास्थ्य एवं कल्याण का अर्थ
- जैवचिकित्सीय बनाम सामाजिक स्वास्थ्य प्रतिमान
- दरिद्रता, असमानता एवं सेहत के अंतर्सम्बन्ध की समझ
- सामाजिक स्वास्थ्य के कारण एवं निर्धारक तत्व–स्तरीकृत संरचना, भोजन, आजीविका, ठिकाना, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सेवाः

बच्चों के स्वास्थ्य की समझ

- स्वास्थ्य और शिक्षा के बीच संबंध
- बाल्यावस्था और स्वास्थ्य, भूख और कुपोषण अर्थ और उपाय,देश और राज्य की स्थिति
- मृत्यु/रूग्णता चित्रण – विधियाँ, अवलोकन, दैनिक टिप्पणी
- बच्चों के स्वास्थ्य की अनुभूति, स्वयं के स्वास्थ्य के आकलन को समझने की विधियाँ

विद्यालय के संदर्भ में बच्चों का स्वास्थ्य

- मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, औचित्य, उद्देश्य, घटक
- कार्य पद्धति, कक्षा की जिज्ञासा की अवधारणा
- शालेय स्वास्थ्य का मापन– जल, स्वच्छता एवं शौचालय इत्यादि संबंधी मुद्दे
- कार्यक्रमों की संस्कृति की संकल्पना
- शिक्षक की भूमिका एवं कार्यक्रम संबंधी वचनबद्धता
- बच्चों में भोजन, कार्य, खेल, मध्यान्ह भोजन संबंधी बोध

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. म.प्र. पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित कक्षा 1 से 8 तक की गणित विषय की प्रचलित पाठ्य पुस्तकें।
2. गणित शिक्षण – एम.एस. रावत व एस.बी.लाल
3. गणित अध्ययन सत्संगी एवं दयाल
4. NCF 2005 NCERT द्वारा प्रकाशित
5. Position Paper National Focus Group on Teaching of Mathematics
6. NCERT द्वारा तैयार गणित किट प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर
7. निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009

8. वैदिक गणित स्वामी भारती कृष्ण तीर्थ
9. वैदिक गणित भाग 1,2,3, – डॉ. कैलाश विश्वकर्मा
10. मापन एवं मूल्यांकन –आर.ए. शर्मा
11. राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्रकाशित विद्यार्थी मूल्यांकन निर्देश पुस्तिका
12. (http://www.tess-india.edu.in/ in OER & Vedio)

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञान प्राप्तये लक्ष्य संधानम्
Estd. by Madhya Pradesh Niji Vishwavidyalaya (Sthapna Avam Sanchalanal Adhyadesh, 2020

School of Education & Library Science

SYLLABUS

Diploma In Elementry Education					
Course Code	शिक्षण अभ्यास एवं शाला इंटर्नशिप (Teaching Practice and School Internship)	L	T	P	C
DELED20Y114		0	0	4	4
Pre -requisite		Syllabus version			
		100 Marks			

व्यावहारिक–4

लिखित / मौखिक

शिक्षण अभ्यास के अंतर्गत शाला आधारित गतिविधियों के प्रारूप की रचना की जाती है ताकि छात्राध्यापक (Student-Teacher) सैद्धांतिक विषयों से व्यावहारिक रूप से जुड़ सके तथा उसे शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने के परिप्रेक्ष्य में मदद मिल सकें और प्राप्त पूर्व ज्ञान और अभ्यासों की क्रमबद्ध संरचना उनके शिक्षण को प्रभावशाली रूप से सक्षम बना सकें। शाला इंटर्नशिप के दौरान छात्राध्यापकों से यह आशा की जाती है कि वे अपने मेंटर्स/सहपाठियों की कक्षा शिक्षण प्रक्रिया का अवलोकन करे जिससे उनमें छात्रों के व्यवहार, अनुदेशात्मक अभ्यास, छात्र अधिगम वातावरण और कक्षा प्रबंधन के प्रति अंतःदृष्टि का विकास हो सके। छात्राध्यापकों से आशा की जाती है कि वे अभ्यास के दौरान समालोचनात्मक चिंतन एवं विचार विमर्श करे और अपने को शाला के अभिलेखों के रख–रखाव, पाठ योजनाओं के निर्माण, इकाई योजना के निर्माण, तकनीकी ;प्ब्ज्द्ध का उपयोग करते हुए कक्षा प्रबंधन, शाला–समुदाय–पालक के हस्तक्षेपों से संबंधित गतिविधियों में संलग्न रखकर स्वयं के विकास एवं शिक्षण अभ्यास के व्यावसायीकरण पर चिंतन करें।

शाला आधारित गतिविधियों के अंतर्गत इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान किया जाने वाला अन्य प्रमुख कार्य पाठ योजनाओं एवं इकाई योजनाओं का प्रस्तुतीकरण है जिसके लिए प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में अलग से निर्दिष्ट किया गया है। इंटर्नशिप अवधि के दौरान की गई समस्त गतिविधियों को पोर्टफोलियो एवं रिफ्लेटिव जर्नल में प्रस्तुत किया जायेगा। छात्राध्यापकों से यह आशा की जाती है कि वे इंटर्नशिप के दौरान अपने द्वारा की गई समस्त गतिविधियों के अनुभवों का, अवलोकनों का एवं निष्कर्षों का रिकार्ड संधारित करेगें। रिफ्लेटिव जर्नल में की गई प्रविष्ठियाँ विश्लेषणात्मक होनी चाहिए जैसे– पूर्व समझ के आधार पर क्या नया और भिन्न है, क्यों उसके द्वारा निर्देशों के आधार पर किये गये कुछ अवलोकन, कक्षा प्रबंधन, शिक्षक पालक संघ से समानता या भिन्नता रखते हैं। ये अवलोकन कैसे आलोचना पर आधारित होना चाहिए जिससे उसके अभ्यास में परिवर्तन आ सके। प्रत्येक छात्राध्यापक (इंटर्न) का आकलन उसके द्वारा बनाये गये पोर्टफोलियो एवं रिफ्लेटिव जर्नल में की गई प्रविष्ठि के आधार पर किया जायेगा।

शाला इंटर्नशिप कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राध्यापक को यह अवसर उपलब्ध कराना है कि अभ्यासकर्ता के रूप में उसे अर्थपूर्ण शिक्षण अनुभव प्राप्त हो सके। इस धारणा के आधार पर शाला इंटर्नशिप की योजना इस प्रकार बनाई जाए जिसमें शाला तथा शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के मध्य भागीदारी ;च्तजदमतीपचद्ध हो सके। छात्राध्यापक को शालेय गतिविधि में एक नियमित शिक्षक की तरह सक्रिय भागीदारी करते हुए स्वयं को शाला के सभी कार्यों से जोड़ना चाहिए परन्तु इसके साथ यह प्रावधान भी होना चाहिए कि एक अभ्यासकर्ता के रूप में उसकी भूमिका रचनात्मक हो। इंटर्नशिप शाला के द्वारा उसे आवश्यक भौतिक स्थान के साथ–साथ नवाचार हेतु शैक्षणिक स्वतंत्रता भी दी जानी चाहिए। यह आवश्यक है कि प्रस्तावित पार्टनरशिप मॉडल द्वारा इंटर्नशिप शाला को भी प्राप्त होने वाले लाभों पर ध्यान केंद्रित करते हुए चयनित किया जाए।

यह कार्यक्रम पूर्णतः क्षेत्र आधारित है, इसमें छात्राध्यापकों को सीधे समस्याओं से जूझते हुए सीखने का अनुभव मिलेगा। इंटर्नशिप कार्यक्रम के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए छात्राध्यापकों को एक चिंतनशील शिक्षक के रूप में ज्ञान के आधार पर बच्चों से जुड़ने, बच्चों के प्रति उसकी समझ और कक्षागत प्रक्रिया, सैद्धांतिक शैक्षणिक विचारों, रणनीतियों एवं कौशलों को क्रम से विकसित करने की आवश्यकता होगी तभी छात्राध्यापक को कक्षा में पढ़े गए सैद्धांतिक विचारों को शाला में परखने के अवसर मिलेंगे।

शाला इंटर्नशिप एक द्विवर्षीय कार्यक्रम है। प्रत्येक वर्ष में छात्राध्यापकों से अलग–अलग अपेक्षाएँ हैं। प्रथम वर्ष में छात्राध्यापक का परिचय शाला से, शाला के वातावरण से, बच्चों को समझने से तथा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को समझने से होगा। द्वितीय वर्ष में छात्राध्यापक एक नियमित शिक्षक की भांति कार्य करेगा।

यहाँ शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं के अकादमिक सुपरवाइजर संवाद और चर्चा के आधार पर मार्गदर्शन और फीडबैक देकर उसकी सहायता करेंगे।